भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 963

जिसका उत्तर दिनांक 10.02.2022 को दिया जाना है

साइबर हमलों से भारतीय नाभिकीय संस्थापनों की सुरक्षा

963 डॉ सस्मित पात्रा :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय नाभिकीय संस्थापन और नाभिकीय विद्युत केन्द्र साइबर हमलों से सुरक्षित है;

(ख) सरकार ने इनकी सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए हैं; और

(ग) क्या इस संबंध में सुरक्षा में सेंध की कोई घटना हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) जी, हां ।

(ख) भारतीय परमाणु प्रतिष्ठान ने अपने प्रतिष्ठानों में प्रयुक्त प्रणालियों के डिजाइन, विकास और प्रचालन के लिए पहले से ही एक सुदृढ़ प्रक्रिया निर्धारित की है । संरक्षा और सुरक्षा महत्वपूर्ण प्रणालियों को प्रयोक्ता निर्मित हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके अंतर-गृह डिज़ाइन और विकसित किया जाता है जो नियामक सत्यापन और मान्यकरण के अधीन होते हैं, जिससे वे साइबर सुरक्षा खतरों के लिए प्रतिरोधी बन जाते हैं ।

भारतीय परमाणु प्रतिष्ठानों की संरक्षा और सुरक्षा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, जैसे नियंत्रण नेटवर्क और संयंत्रों की सुरक्षा प्रणाली इंटरनेट और स्थानीय आईटी नेटवर्क से अलग हैं ।

परमाणु ऊर्जा विभाग के पास डीएई इकाइयों की साइबर सुरक्षा/सूचना सुरक्षा की देखभाल के लिए कंप्यूटर और सूचना सुरक्षा सलाहकार समूह (सीआईएसएजी) और मापयंत्रण और नियंत्रण सुरक्षा के लिए कार्यदल (टीएएफआईसीएस) जैसे विशेषज्ञ समूह हैं । ये समूह

डीएई के तहत परमाणु सुविधाओं सहित सभी इकाइयों की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की प्रक्रिया को सिस्टम और ऑडिट को सख्त करने के माध्यम से करते हैं।

(ग) कूडनकुलम नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र (केकेएनपीपी) प्रशासनिक नेटवर्क पर दिन-प्रतिदिन की प्रशासनिक गतिविधियों के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रशासनिक नेटवर्क पर मैलवेयर संक्रमण की पहचान थी। प्रभावित सिस्टम में केवल प्रशासनिक कार्य से संबंधित डेटा था। प्लांट कंट्रोल एंड इंस्ट्रूमेंटेशन सिस्टम किसी बाहरी नेटवर्क जैसे इंट्रानेट, इंटरनेट और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम से जुड़ा नहीं है। प्लांट सिस्टम, जो अलग-थलग हैं और इस प्रशासनिक नेटवर्क से पहुंच योग्य नहीं हैं, प्रभावित नहीं हुए। महत्वपूर्ण संयंत्र प्रणालियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

* * * * *